THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) to (d) The State Government of Karnataka have forwarded 14 proposals aggregating to a length of 4810 km for declaration as new National Highways during the 8th Plan. However, owing to the meagre allocation of funds for National Highways during the 8th Plan, it is difficult to declare any new National Highway at this stage.

Abolition of Octroi

3036. SHRI YERRA NARAYANASWAMY: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Assocham and other Associations have asked for abolition of Octroi;

(b) if so, the details of this representation;

(c) whether any study has been done on the impact of Octroi abolition; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) and (b) The Assocham and some other associations had in their representation to the Government and the Committee of Chief Ministers set up by the Government to examine the issues related to octroi, asked for abolition of octroi and finding a suitable alternative, which is acceptable to all concerned. The Jyoti Basu Committee has come to the conclusion that octroi is protected by Entry 52 of the State List and there was no question of its abolition or substitution.

(c) and (d) A study on the impact of octroi abolition has already been entrusted to the National Institute of Urban Affairs, New Delhi.

Shipping Centre in Madras Port

3037. SHRI V. NARAYANASAMY: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Madras is emerging as a shipping centre in view of the large volume of goods that are being exported from Madras Port for the last one year; and

(b) if so, the total tonnage of goods that are being exported for the last three years through sea route and how many of the shipping industries have shown interest for sailing from Madras Port;

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) Yes, Sir.

(b) The figures of cargo loaded from Madras Port for shipment overseas for the last three years are as given below:

Year	Million Tonnes
1991-92	7.80
1992-93	7.07
1993-94	8.10*

During the year 1993-94, seventy Shipping Lines mainly operated from the Port of Madras.

*Provisional figure.

दिल्ली में आटोरिक्शाओं के चालकों द्वारा मीटरों मे छेड़छाड़

3038. **श्री रामदेव भंडारी:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में आधे से अधिक आटोरिक्शाओं के मीटर ठीक ढंग से काम नहीं कर रहे हैं;

(ख) क्या गलत मीटरों का पता लगाने के लिए ही जांच की जाती है;

(ग) 1993-94 और 30 जून 1994 तक गलत मीटर रखने के आरोपों के लिए कितने आटोरिक्शा चालकों को पकड़ा गया है; और

(घ) उनके विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईटलर): (क) जी, नहीं।

(ख) जी, हां।

(ग) वर्ष 1993-94 के दौरान और 30 जून, 1994 तक क्रमशः 3095 और 633 आटो रिक्शा ड्राइवरों को गलत मीटर रखने के आरोपों पर पकड़ा गया था।

(घ) दिल्ली यातायात पुलिस द्वारा मोटर वाहन अधिनियम/नियमावली के उपबंधों के अधीन कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों की घोषणा

3039. **श्री कैलाश नारायण सारंग: क्या जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत सरकार ने देश में सड़कों के विकास हेतु कोई योजना तैयार की है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान मध्य प्रदेश में सड़कों की वह अतिरिक्त लम्बाई क्या है जिसे राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किए जाने का विचार है और किलोमीटर में वह कुल लम्बाई क्या है जिसे मंजूरी दे दी गई है;

(ग) राज्य में उन सड़कों के नाम क्या हैं जिन्हें कि वर्ष 1984 में राष्ट्रीय यातायात समिति द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किए जाने की सिफारिश की गई थी और इनमें से उन सड़कों की कुल संख्या कितनी है जिन्हें राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया जा चुका है; और

(घ) क्या राष्ट्रीय राजमार्गों की लम्बाई के लक्ष्यों की प्राप्ति न होने के कारण विकास की रफ्तार में कोई रुकावट आएगी?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईटलर): (क) भारत सरकार का संबंध मुख्यतः केवल राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में घोषित सड़कों से है। राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास एक सतत प्रक्रिया है और सुधारात्मक कार्य, सड़क की हालत, यातायात की सघनता, कार्यों की पारस्परिक प्राथमिकता तथा इस प्रयोजनार्थ उपलब्ध धन आदि को ध्यान में रख कर किए जाते हैं।

(ख) कोई नहीं।

(ग) से (घ) रा०प०नी०स० (राष्ट्रीय परिवहन नीति समिति) ने मई, 1980 में प्रस्तुत अपनी रिपोर्ट में अन्य बातों के साथ-साथ, गये राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में घोषित किए जाने के लिए मध्य प्रदेश की नौ सड़कों की सिफारिश की थी। जिनका ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है (नीचे देखिए)। इनमें से केवल दो सड़कों की राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में घोषित किया गया है और शेष सड़कों को बजटगत कठिनाइयों के कारण नये राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में घोषित नहीं किया जा सका। जिसके फलस्वरूप विकास की प्रगति वांछित स्तर तक नहीं हो पाती।

विवरण

राष्ट्रीय राजमार्गों की घोषणा

क्रम सं०	मार्ग का नाम	लम्बाई (कि०मी०)
1.	2	3
1.	ग्वालियर-झांसी-खजुराहें-रीवा	460
2.	नागपुर-ओबेदुल्लाहगंज (भोपाल तक)	350
3.	जबलपुर-शहडोल-अम्बिकापुर-गुमला	520
4.	रायपुर-वाराणसी	620
5.	बेरहामपुर-रायपुर	550
6.	अहमदाबाद-इन्दौर-देवात-भोपाल	510
7	जयपुर-कोटा-बिआओरा (भोपाल तक)	450
8.	राजमुंदरी-जगदलपुर	340
9.	निजामाबाद-जगदलपुर	460

Enhancing the Target of Inland Waterways

3040. SHRI V. HANUMANTHA RAO:
SHRI RAHASBIHARI BARIK:

Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Inland Waterways Authority of India has not